YEAR-2012

पंजाब मेल – तब और अब

पंजाब मेल भारतीय रेलवे की प्रथम गाड़ी है जो अपने 100वें वर्ष में पदार्पण कर रही है । इसे 1912 में शुरु किया गया था। उस समय पंजाब मेल का मार्ग मुख्यतः 'द ग्रेट इंडियन पेनिनसुला रेलवे' होता था । यह इटारसी, आगरा, दिल्ली, अमृतसर और लाहौर से होते हुए पेशावर कैण्ट पहुँचती थी ।

वो दौर गया जब पंजाब मेल भाप इंजन से चलाई जाती थी, अब इसे डीजल और बिजली के रेल इंजनों से चलाया जाता है। पंजाब मेल फिरोजपुर कैंट से चलकर मुम्बई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनस पर अपनी यात्रा को विराम देती है। अपनी यात्रा के दौरान यह रेलगाड़ी छः राज्यों से गुजरते हुए अपने साथ विभिन्न प्रांतों की महक समेटते हुए ''देश का मेल ... भारतीय रेल'' का संदेश जन–जन तक पहुँचाती है ।

PUNJAB MAIL- THEN & NOW

Punjab Mail is the first train to achieve the distinction of entering its 100th year on Indian Railways. It was started in 1912. The Punjab Mail route ran mainly over "The Great Indian Peninsula Railway, and passed through Itarsi, Agra, Delhi, Amritsar and Lahore before terminating at Peshawar Cantonment.

The Punjab Mail has come a long way from the days, when it was hauled by steam engines. Today, diesel and electric engines power the train during its journey which starts from Firozpur Cantt and ends at Mumbai's Chhatrapati Shivaji Terminus (CST). While passing through six states during its journey it carries the flavours of the regions it traverses, thus; - "Bridging India.. Connecting people"